शुक्रवार
25 फरवरी 2022

पृष्ठ 4

अनानास जैसा फायदेमंद है उसका छिलका

पृष्ठ 5

स्मार्ट जोड़ी में मेहमान बनकर एंट्री कर सकते हैं विक्की-कैटरीना

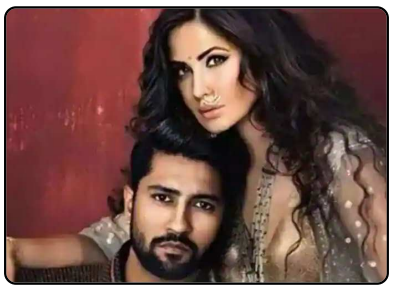

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 32
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सबसे अधिक ज्ञानी वही है जो अपनी कमियों को समझकर उनका सुधार कर सकता हो।
– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

छात्र-छात्राओं के परिजनों का हाल बेहाल

सरकार यूक्रेन में फंसे छात्रों का डाटा जुटाने में जुटी

संवाददाता

देहरादून। रूस के हमले के कारण यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों और नागरिकों की सुरक्षित वापसी के सरकारी आश्वासनों के बीच अपनों की जान की सुरक्षा को लेकर उनके परिजन बेहद परेशान हैं। यूक्रेन में उत्तराखंड के कितने छात्र व नागरिक फंसे हुए हैं, सरकार अब उनका डाटा तैयार करवा रही है। अब तक 78 छात्र-छात्राओं की जानकारी सरकार को मिल सकी है। इसके लिए सरकार ने जहां हेल्पलाइन नंबर और ईमेल का सहारा लिया है वही मुख्य सचिव ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों व एसएसपी को निर्देश दिए हैं कि वह यूक्रेन में फंसे लोगों की तत्काल जानकारी जुटाकर सरकार को दें। इसके लिए एक नोडल अधिकारी की भी नियुक्ति कर दी गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि वह यूक्रेन में फंसे उत्तराखंड वासियों की सुरक्षित वापसी के प्रयासों में जुटे हैं। सभी लोगों का डाटा तैयार किया जा रहा है तथा भारतीय विदेश मंत्रालय से लगातार वह संपर्क बनाए हुए हैं। उन्होंने बताया कि कई लोगों के परिजनों से उनकी वार्ता हुई है। हमारे कितने लोग यूक्रेन में फंसे हैं इसका डाटा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों को सुरक्षित लाया जाएगा।

उधर डीजीपी अशोक कुमार का कहना है कि अब तक 78 लोगों की जानकारी मिल सकी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में उत्तराखंड के कुल कितने लोग हैं इसका कोई डाटा उपलब्ध नहीं है, इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 112 जारी किया गया है तथा ईमेल से लोग अपनों के बारे में जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी व सभी एसएसपी को डाटा जुटाने को कहा गया है जिसमें लोगों का पूरा नाम पता फोन नंबर व पासपोर्ट आदि की जानकारी

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

❑अब तक 78 छात्रों का डाटा मिला
❑सीएम ने दिया सुरक्षित वापसी का भरोसा

सरकार छात्रों की मदद करें: हरीश

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने यूक्रेन में फंसे भारतीय व उत्तराखंड के छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई है। उनका कहना है कि सरकार को थोड़ा पहले जागने की जरूरत थी लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि छात्र कहां से डालर लाए, सरकार को छात्रों की मदद करनी चाहिए उन्होंने कहा कि सरकार के पास डाटा तक नहीं है कि हमारे कितने लोग यूक्रेन में फंसे हुए है। उन्होंने कहा कि सरकार को छात्रों की वापसी के गंभीर प्रयास करने चाहिए।

शहीद जगेन्द्र सिंह चौहान को सैनिक सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

संवाददाता

डोईवाला। सियाचीन मे शहीद हुए जगेन्द्र सिंह चौहान को सैनिक सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गयी इस दौरान क्षेत्रीय जनता की आंखे नम हो गयी तथा उनके घर में कोहराम मचा रहा।

सियाचिन में शहीद हुए भानियावाला निवासी हवलदार जगेंद्र सिंह चौहान का पार्थिव शरीर उनके निवास स्थान भानियावाला लाया गया। जहाँ सैकड़ों लोगों ने शहीद को अंतिम विदाई दी। शहीद का पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। कुछ देर घर पर पार्थिव शरीर रखने के बाद सेना के जवानों ने शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। जगेंद्र सिंह चौहान सियाचिन में बीते 21 फरवरी को ग्लेशियर में भूस्खलन होने से उसकी चपेट में आने से शहीद हो गए थे। शहीद जगेन्द्र सिंह चौहान के परिजन पिछले दो दिनों से पार्थिव शरीर घर पहुंचने का इंतजार कर रहे थे। क्षेत्रवासियों के अनुसार जगेन्द्र सिह चौहान को 25 फरवरी को छुट्टी पर घर आना था इससे पूर्व ही वह हादसे में शहीद हो गये और मौसम की खराबी की वजह से उनका पार्थिव शरीर घर नहीं पहुच सका था। बृहस्पतिवार को सेना के अधिकारियों ने सूचना दी कि उनका पार्थिव शरीर 25 फरवरी को सुबह आठ बजे पहुंच जायेगा। आज शहीद के पार्थिव शरीर को उनके आवास से पूरे सम्मान के साथ भानियावाला बाजार होते हुए भानियावाला तिराहा ले जाया गया। तिराहे से सेना के ट्रक द्वारा

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

रूस ने यूक्रेन पर किया तीनों तरफ से अटैक

कीव। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के आदेश के बाद हर तरफ मौत का तांडव देखने को मिल रहा है। चारों तरफ से बमबारी जारी है। इस बीच आम आदमी भी हमले के शिकार बनते दिखाई दे रहे है।

रूस ने यूक्रेन पर तीनों तरफ से अटैक कर दिया है। राजधानी कीव सुबह ७ बड़े धमाकों हुए। जिससे बाद लोग घरों, सबवे, अंडरग्राउंड शेल्टर में छिपे हुए हैं। खाने पीने की दिक्कते से बच्चे बूढ़े परेशान है। इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूसी सेना राजधानी कीव में दाखिल हो गई है।

●दुनिया ने हमें अकेला छोड़ दिया: यूक्रेन

उन्होंने आशंका जताई है कि अगले ६६ घंटे यानी ४ दिन में कीव पर रूस का कब्जा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रूसी सेनाएं रिहाइशी इलाकों को टारगेट कर रही हैं। उन्होंने रूसी नागरिकों से अपील की है कि वे इस जंग के खिलाफ प्रदर्शन करें। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि दुनिया ने हमें जंग में लड़ने के लिए अकेला छोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि उनके दो टारगेट हैं, पहला– कीव और दूसरा मेरा परिवार। इस बीच सरकार ने पूरी सेना को युद्ध में उतारने का ऐलान किया।

पिछले 24 घंटों में देश में कोरोना संक्रमण के आए 13,166 नए मामले

?नई दिल्ली । पिछले २४ घंटों में देशभर से कोरोना संक्रमण के १३१६६ नए केस सामने आए। जबकि पिछले २४ घंटों में ३०२ लोगों की मौत हो गई। इस दौरान २६,६८८ लोग इस खतरनाक बीमारी से ठीक भी हुए। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में नए मामले जोड़ने के बाद अब कोरोना के कुल मामलों की संख्या ४,२८,६४,३४५ हो गई है। हालांकि सक्रिय मामले घटकर १,३४,२३५ हो गए हैं।

यह अच्छी खबर है कि कोरोना संक्रमण के नये मामलों का ग्राफ नीचे आ रहा है। पिछले २४ घंटे में सिर्फ १३ हजार नए केस मिले हैं। जबकि इससे

पहले के दिनों में क्रमशरू १४ हजार,रू १५ हजार,१३ हजार और १६ हजार केस सामने आए थे। देश में एक्टिव केस ०.३१प्रतिशत बचे हैं। इस बीच वैक्सीनेशन का आंकड़ा १७६.८६ करोड़ को पार कर गया है।

पिछले २४ घंटों में ३२.०४ लाख से अधिक वैक्सीन खुराक के साथ भारत का कोरोना टीकाकरण कवरेज आज सुबह ७ बजे तक १७६.८६ करोड से अधिक हो गया है। यह २,०२,१३,२६३ सत्रों के माध्यम से हासिल किया गया है।

पिछले २४ घंटों में २६,६८८ मरीज ठीक हुए हैं और ठीक होने वाले रोगियों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या अब ४,२२,४६,८८४ है। नतीजतन, भारत की वसूली दर ६८.४६प्रतिशत है। पिछले २४ घंटे में १३,१६६ नए मामले सामने आए। भारत का सक्रिय केसलोड(एक्टिव केस) वर्तमान में १,३४,२३५ पर है। देश भर में परीक्षण क्षमता का विस्तार जारी है। पिछले २४ घंटों में कुल १०,३०,०१६ परीक्षण किए गए। भारत ने अब तक ७६.४५ करोड कुल परीक्षण किए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

युद्ध बड़े संकट का संकेत

भले ही युद्ध को किसी समस्या का संपूर्ण समाधान न माना जाता हो लेकिन इतिहास साक्षी है कि युद्ध की अनिवार्यता को नकारा नहीं जा सकता और न टाला जा सकता है अगर ऐसा संभव होता तो विश्व राष्ट्रों की तमाम कोशिशों के बाद भी रूस कदाचित भी यूक्रेन पर हमला नहीं करता। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस की चेतावनी और प्रयासों के बीच उस संयुक्त राष्ट्र के दबाव को रूस ने दरकिनार न किया होता जो यूरोपीय राष्ट्रों से अपनी सभी बातें बनवा लेता है। उल्लेखनीय बात यह है कि इन्हीं तमाम राष्ट्रों द्वारा सुरक्षा की गारंटी दिए जाने पर यूक्रेन ने अपने परमाणु हथियारों को त्याग दिया था अन्यथा आज की यह जंग आला और अदना राष्ट्र के बीच जंग न होकर दो परमाणु संपन्न महाशक्तियों के बीच की जंग होती और उसके राष्ट्रपति आज जिस तरह से यूक्रेन को जंग से पहले ही हथियार डालने का दबाव बना रहे हैं कदाचित भी ऐसा नहीं कर पाते। युद्ध से पूर्व यूक्रेन की हर संभव मदद का भरोसा दिलाने वाले अमेरिका सहित सभी राष्ट्र अब अपने हाथ पीछे खींच चुके हैं और वह सिर्फ रूसी राष्ट्रपति पुतिन की इस कार्रवाई की निंदा करने तक ही सीमित हो चुके हैं। जबकि पुतिन एक तानाशाह की तरह पूरे विश्व को धमकी दे रहे हैं कि अगर किसी ने भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की कोशिश की तो इसका परिणाम भुगतने को तैयार रहें उनका कहना है कि उसे ऐसी सजा देंगे कि आज तक इतिहास में किसी ने नहीं दी होगी। दरअसल इस जंग में किसी भी तीसरे राष्ट्र का उतरने का अर्थ ही एक और विश्व युद्ध होगा। क्योंकि यह विश्व युद्ध परमाणु युद्ध होगा जिसकी विभीषिका का अनुमान भी लगा पाना संभव नहीं होगा। पुतिन इसका अर्थ भले ही कुछ भी निकाले लेकिन यह वह भी जानते हैं कि वह अब सोवियत संघ वाली महाशक्ति नहीं है, विश्व के तमाम राष्ट्र उससे ज्यादा शक्तिशाली हैं और उनकी सैन्य क्षमता रूस से कहीं ज्यादा है लेकिन वह यूक्रेन के रास्ते फिर स्वयं को महाशक्ति बनने का सपना देख रहे हैं तो यह अब इस तेजी से बदलती दुनिया में संभव नहीं दिखता है। रूस के इस हमले से सिर्फ यूरोपीय राष्ट्रों में ही नहीं पूरे विश्व में हड़कंप मचा हुआ है। सभी विश्व राष्ट्र रूसी राष्ट्रपति पुतिन की कार्यवाही को लेकर नाराज हैं तथा रूस पर कड़ें वैश्विक प्रतिबंधों की हिमायत कर रहे हैं। भले ही फिलहाल रूस इसकी चिंता न कर रहा हो, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम होंगे। रही बात यूक्रेन की जो अपनी सुरक्षा की बड़ी कीमत चुका रहा है और स्वयं को असहाय महसूस कर रहा है अब युद्ध विराम के बाद ही पता चलेगा कि वह कहां किस स्थिति में खड़ा होगा। भारत युद्ध की विभीषिका में दोस्ती के दोराहे पर खड़ा है और कुछ कहने या करने की स्थिति में नहीं है उसे बस अपने उन नागरिकों के सुरक्षित वापसी की चिंता है जो यूक्रेन में फंसे हैं। वहीं इस युद्ध के बाद भारत सहित सभी राष्ट्रों को अर्थव्यवस्था से जुड़े आफ्टर इफेक्ट के लिए भी तैयार रहना चाहिए जो तेल की कीमतों में उछाल और शेयर बाजारों में भारी गिरावट के रूप में अभी से दिखने लगे हैं।

चौकन्ना रहने का दावा करने वाली पुलिस को चौंका गये चोर

हमारे संवाददाता

देहरादून। कड़ी सुरक्षा का दावा करने वाली मित्र पुलिस के दावे कितने सही है इसकी बानगी बीती रात थाना रायपुर क्षेत्र में सामने आयी है। यहां चोरों ने थाने से मात्र दस कदम की दूरी पर स्थित काली माता के मन्दिर में चोरी की वारदात को अंजाम देकर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है।

विधानसभा चुनावों के बाद राजधानी दून में चोरों का आंतक लगातार

❑थाने से कुछ कदमों की दूरी पर दिया चोरी की वारदात को अंजाम

बढ़ता ही जा रहा है। आये दिन होने वाली इन चोरियों के खुलासे तो पुलिस कर ही रही है लेकिन चोरों के हौंसले किस कदर बुलंद है इसका पता देर रात रायपुर थाने से मात्र कुछ कदमों की दूरी पर स्थित मन्दिर में देखने को मिला है। यहां चोरों ने कल देर रात काली माता मंदिर में 6 दानपात्रों का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। हालांकि चोर कितनी नगदी ले गये है इस बारे में अभी जानकारी नहीं है लेकिन फिर भी चोरों के इस हौसंले ने पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी गयी है। बताया जा रहा है कि चोरों ने मन्दिर में घुसने के लिए तीन दरवाजों के ताले भी तोड़े है। लेकिन सवाल यही है कि क्या चोरी की इस वारदात का पुलिस थाना बगल में रहते हुए भी इसकी भनक पुलिस को क्यों नहीं लगी? बताया जा रहा है कि चोरी की यह घटना मन्दिर में लगे सीसी कैमरे में कैद हुई है।

अब खेतों में भी उगेगी वैक्सीन!

मुकुल व्यास

चौंकिए मत। वैज्ञानिक ऐसी वैक्सीन बना रहे हैं जिन्हें खेतों में उगाया जा सकेगा और खाद्य वस्तुओं की तरह खाया जा सकेगा। अमेरिका में रिवरसाइड स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसीआर) के वैज्ञानिक यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या लेटस (सलाद) पत्तों को एमआरएनए वैक्सीन की फैक्टरियों में बदला जा सकता है। कोविड वैक्सीनों में प्रयुक्त मैसेंजर आरएनए या एमआरएनए टेक्नोलॉजी में मुख्य रूप से कोशिकाओं को रोगाणुओं को पहचानने और संक्रामक रोगों से बचाव करने के बारे में शिक्षित किया जाता है। इस टेक्नोलॉजी के प्रयोग में सबसे बड़ी चुनौती इसे परिवहन और स्टोरेज के दौरान ठंडा रखने की है। वैक्सीन के स्थायित्व के लिए निम्न तापमान जरूरी है। यदि विज्ञानियों का नया प्रोजेक्ट सफल हो जाता है तो पौधों पर आधारित खाने योग्य एमआरएनए वैक्सीन इस समस्या को दूर कर सकती है। इस तरह की वैक्सीनों को कमरे के तापमान पर स्टोर किया जा सकता है।

अमेरिका की नेशनल साइंस फाउंडेशन से पांच लाख डॉलर के अनुदान से शुरू किए गए प्रोजेक्ट के तीन मुख्य उद्देश्य हैं। पहला, क्या एमआरएनए से युक्त डीएनए को पौधे की कोशिकाओं के उस हिस्से में पहुंचाया जा सकता है जहां वह रिप्लीकेट कर सके। दूसरा, यह सिद्ध करना कि पौधे एक पारंपरिक वैक्सीन की बराबरी करने के लिए समुचित एमआरएनए उत्पन्न कर सकते हैं और तीसरा, पौधा आधारित वैक्सीन की सही खुराक का निर्धारण। यूसीआर में वनस्पति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर जुआन पाब्लो गिराल्डो ने कहा कि एक पौधे द्वारा उत्पादित एमआरएनए से एक व्यक्ति को वैक्सीन की खुराक दी जा सकेगी। गिराल्डो इस शोध का नेतृत्व कर रहे हैं। इस शोध में सेन डियागो स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय और कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय के विज्ञानी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हम पालक और लेटस के साथ नयी टेक्नोलॉजी का परीक्षण कर रहे हैं। हमारी कोशिश यह रहेगी कि लोग आगे चल कर अपने बगीचों में ही वैक्सीन के पौधे उगाएं।

भविष्य में किसान भी अपने सारे खेत में वैक्सीन वाले पौधे उगा सकते हैं। इस टेक्नोलॉजी में सबसे अहम भूमिका पौधे की कोशिकाओं में पाए जाने वाले क्लोरोप्लास्ट की है। क्लोरोप्लास्ट सूरज की रोशनी को ऊर्जा में बदल देते हैं, जिसका प्रयोग पौधा करता है। ये दरअसल सौर ऊर्जा से चलने वाली सूक्ष्म फैक्टरियां हैं जो शुगर और दूसरे मॉलिक्यूल उत्पन्न करती हैं, जिनसे पौधे का विकास होता है। इन फैक्टरियों का प्रयोग वांछित मॉलिक्यूल उत्पन्न करने के लिए भी किया जा सकता है। पिछले अध्ययनों में गिराल्डो यह दर्शा चुके हैं कि क्लोरोप्लास्ट ऐसे जीनों को अभिव्यक्त कर सकता है जो स्वाभाविक रूप से पौधे का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने और उनके सहयोगियों ने पौधों की कोशिकाओं में बाहरी आनुवंशिक सामग्री भेज कर ऐसा कर दिखाया। अपने प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने नैनो इंजीनियरिंग की प्रोफेसर निकोल स्टीनमर्ट्ज से सहयोग लिया। स्टीनमर्ट्ज और उनके सहयोगियों ने आनुवंशिक सामग्री को क्लोरोप्लास्ट में पहुंचाने के लिए नैनो टेक्नोलॉजी विकसित की है। स्टीनमर्ट्ज ने बताया कि हम पौधों में जीन पहुंचाने के लिए पौधों के वायरसों का प्रयोग करना चाहते हैं जो कुदरती रूप से पाए जाने सूक्ष्म कण अथवा नैनो पार्टिकल हैं। इन वायरसों को क्लोरोप्लास्ट में पहुंचाने और उन्हें पौधों के प्रति असंक्रामक बनाने के लिए कुछ तकनीकी फेरबदल की जरूरत पड़ती है।

कुछ वैज्ञानिकों का ख्याल है कि हमें पौधों पर आधारित वैक्सीन विकसित करने के लिए अधिक प्रयास करने चाहिए। कनाडा में क्यूबेक स्थित लवाल विश्वविद्यालय के दो शोधार्थियों, फास्टर-बोवेंडो और गेरी कोबिंगर का कहना है कि इस तरह की वैक्सीन 'मॉलिक्यूलर फार्मिंग' के जरिए बनाई जा सकती है। इस विधि में पौधे की कोशिका में डीएनए रखा जाता है जो प्रोटीन बनाता है। इस कोशिका का उपयोग वैक्सीन बनाने के लिए किया जाता है। वैज्ञानिक मान्यता प्राप्त वैक्सीनों के अलावा और अधिक प्रभावी वैक्सीन की तलाश में जुटे हुए हैं। उनकी कोशिश एक ऐसी समग्र वैक्सीन विकसित करने की है जो सभी तरह के कोरोना वायरसों के खिलाफ प्रभावी सिद्ध हो।

वैक्सीनें आम तौर पर बैक्टीरियाई सिस्टम में उत्पन्न की जाती हैं और वे बहुत असरदार साबित हुई हैं। ऐसे सिस्टम को बायोरिएक्टर भी कहा जाता है। ऐसी वैक्सीनों की उत्पादन लागत बहुत ज्यादा होती है। वैक्सीन की बायोमैन्युफैक्चरिंग के विकल्प के तौर पर वैज्ञानिकों ने 1986 में मॉलिक्यूलर फार्मिंग का प्रस्ताव रखा था। इसके लिए वैज्ञानिकों को सिर्फ ग्रीनहाउस सेटअप की आवश्यकता पड़ती है जो बायोरिएक्टरों की तुलना में बहुत सस्ते पड़ते हैं। रिसर्चरों का कहना है कि पौधों पर आधारित वैक्सीन बनाना सस्ता पड़ेगा और इसके दूसरे लाभ भी होंगे। एक बहुत बड़ा फायदा यह है कि इस तरह की वैक्सीन बनाने के लिए संसाधनों की तलाश पर अधिक ध्यान नहीं देना पड़ेगा। वैक्सीनों को बायोरिएक्टरों में तैयार करने के बजाय खेतों की फसलों में उत्पन्न किया जा सकता है। दूसरा बड़ा फायदा यह है कि पौधे मानव रोगाणुओं द्वारा संक्रमित नहीं हो सकते। इसके अलावा पिछली रिसर्च से पता चलता है कि पौधों पर आधारित वैक्सीन दूसरी विधियों से तैयार वैक्सीनों की तुलना में ज्यादा मजबूत इम्यून रेस्पांस उत्पन्न करती हैं। सामान्य विधियों की तुलना में पौधों पर आधारित वैक्सीन का उत्पादन ज्यादा होता है।

इस समय गौशे रोग के इलाज के लिए इस तरह की वैक्सीन का उत्पादन किया जा रहा है। लीवर और स्प्लीन जैसे शरीर के कुछ अंगों में वसायुक्त पदार्थों के जमाव से गौशे रोग उत्पन्न होता है। इन पदार्थों के जमा होने से इन अंगों का आकार बढ़ जाता है, जिसकी वजह से उनके कार्यों पर असर पड़ता है। वसायुक्त पदार्थ हड्डियों के ऊतकों में भी जमा होने लगते हैं, जिनसे हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। गौशे रोग के इलाज में प्रयुक्त होने वाला ग्लूकोसेरिब्रोसिडेस नामक एंजाइम गाजर की सेल कल्चर में उत्पन्न होता है।

अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार फ्लू वैक्सीनों के निर्माण के लिए सबसे ज्यादा प्रचलित विधि में अंडा-आधारित विधि का प्रयोग किया जाता है। यह विधि 7० साल पुरानी है। दुनिया में कोरोना महामारी फैलने से पहले इन्फ्लुएंजा की वनस्पति-आधारित वैक्सीन का तीसरे चरण का ट्रायल शुरू हो चुका था और उसके उत्साहवर्धक नतीजे सामने आए थे। इस समय एक रिसर्च टीम कोविड-19 के लिए वनस्पति आधारित वैक्सीन पर काम कर रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि औषधियों के नियमन के लिए जिम्मेदार सरकारी संस्थाओं को वनस्पति-आधारित वैक्सीन के लाभों को समझना चाहिए ताकि इन्हें अपनाने के लिए उचित दिशा-निर्देश तैयार किए जा सकें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

न यं हिंसन्ति धीतयो न वाणीरिन्द्रं नक्षन्तीदभि वर्धयन्तीः।
यदि स्तोतारः शतं यत्सहस्रं गृणन्ति गिर्वणसं शं तदस्मै।।

(ऋग्वेद ६-३४-३)

परमात्मा परमेश्वर को कोई शब्द या क्रिया कभी भी हानि नहीं पहुंचा सकते। परमेश्वर की सैकड़ों, हजारों लोग स्तुति करते हैं जो उनको प्रसन्न करते है। वह ही परम आराधना के पात्र हैं। हमें उनकी स्तुति करनी चाहिए।

No word or action can ever harm God. Hundreds, thousands of people praise God for what pleases him. He is the one worthy of the utmost worship. We should praise Him. (Rig Veda 6-34-3)

अमेरिका ने रूस के दो डिप्लोमेट हटाए, मास्को ने किया अमेरिकी राजदूत का निष्कासन

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक वरिष्ठ अमेरिकी दूत के मास्को के निष्कासन के बाद रूस को जवाब दिया है। अमेरिका ने वाशिंगटन में रूस के नंबर दो राजनयिक को निष्कासित कर दिया है।

यूएस विदेश विभाग के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि मास्को के जवाब में अमेरिका ने यह कदम उठाया है।रूसी दूतावास में दूसरे सर्वोच्च रैंकिंग अधिकारी सर्गेई ट्रेपेलकोव को बुधवार को सूचित किया गया था कि वह तत्काल देश छोड़ दें। मॉस्को द्वारा रूस में अमेरिकी मिशन के उप प्रमुख बार्ट गोर्मन को इस महीने की शुरुआत में छोड़ने का आदेश दिया गया है और तत्काल देश छोड़ दें। हालांकि, विदेश विभाग के अधिकारी ने जोर देकर कहा कि निष्कासन यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से संबंधित नहीं था। क्रेमलिन ने कहा कि गोर्मन का निष्कासन, जिसे पिछले सप्ताह सार्वजनिक किया गया था, संयुक्त राज्य अमेरिका में रूसी राजनयिकों के खिलाफ पिछले अमेरिकी कार्यों के जवाब में था। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने कहा कि राजनयिकों का सामूहिक निष्कासन और बढ़ता वीज़ा युद्ध हमारी पसंद नहीं है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। राजकीय बालिका इंटर कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन प्रारम्भ हुआ। आज यहां राजकीय बालिका इंटर कालेज, लक्खी बाग के तत्ववाधान मे राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का आयोजन आरम्भ हुआ। कार्यक्रम का उद्धघाटन प्रधानाचार्य डॉ.सरिता भट्ट ने द्वीप प्रज्वालित कर किया। स्वयंसेविकों ने स्वागत गान एबं रंगा रंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम अधिकारी आरती नेगी द्वारा सात दिवसीय शिविर की रूप रेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष कि थीम है नशा मुक्त उत्तराखंड, संस्कार युक्त उत्तराखंड, जिस पर कार्य किया जायेगा। कार्यक्रम मे श्रीमति रयाल, पूर्व कार्यक्रम अधिकारी श्रीमति बलबीर नौटियाल, मंजू सनवाल, आशा कोठियाल, कविता केहड़ा, नरेंदर लूथरा, ममता गुरंग एवं सुभाष डबराल आदि उपस्थित थे।

यूक्रेन में बसे उत्तराखंड के लोगों की सुरक्षा का जिम्मा उठाये उत्तराखंड सरकारः रविन्द्र

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र आनंद ने कहा कि पिछले 2 दिन से यूक्रेन में युद्ध के जो हालात हैं उन्हें देखते हुए वहां पर बसे उत्तराखंड के लोगों को वापस बुलाने का जिम्मा उत्तराखंड सरकार को उठाना चाहिए।

रविंद्र सिंह आनंद ने कहा कि उत्तराखंड पुलिस द्वारा एक संदेश जारी किया गया है, जिसमें यह कहा गया है कि यूक्रेन में रह रहे लोगों की जानकारी उन तक उपलब्ध कराई जाए। परंतु हमारा यह कहना है कि लोग स्वयं यह जानकारी दें उससे पहले उत्तराखंड सरकार को इसकी जिम्मेदारी उठाते हुए दूतावासों से जानकारी निकाल कर वहां पर बसे लोगों से स्वयं संपर्क कर उनको वापस लाने का जिम्मा उठाना चाहिए। यही नहीं इस समय पर जब टिकटें 80 हजार और 1 लाख तक की हो रही है ऐसे में उन पर अतिरिक्त बोझ न डालते हुए उत्तराखंड सरकार को चाहिए की उनके आने का सारा खर्चा भी सरकार स्वयं वहन करें । रविंद्र सिंह आनंद ने कहा कि यह मांग उनकी उत्तराखंड सरकार से ही नहीं बल्कि भारत सरकार से भी है कि यूक्रेन में बसे भारतीयों को लाने का जिम्मा मोदी सरकार को उठाना चाहिए और उनको अपने खर्चे पर भारत वापस लाने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

बिजली के बकाया जमा करने में राहत देने की मांग की

विकासनगर (आरएनएस)। ह्यूमन राइट्स एंड आरटीआई एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद शर्मा ने कहा कि कोरोना काल में लोगों को रोजगार चला गया। जेब खाली है और परिवार पालने के लिए लाले पड़े हैं। ऊर्जा निगम बिजली बिलों को वसूलने के लिए इतना तेजी दिखा रहा है कि उपभोक्ताओं के सीधे कनेक्शन काटे जा रहे हैं। कहा कि ऊर्जा निगम को लोगों को राहत देनी चाहिए। ह्यूमन राइट्स एंड आरटीआई एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद शर्मा ने कहा कि दो वर्षों से लोगों का रोजगार छिन गया। छोटा मोटा व्यवसाय भी समाप्त हो गया। परिवार पालने के लिए आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। जिसके चलते लोग बिजली के बिल जमा नहीं कर पाये। दस–दस हजार से अधिक के बिल बकाया हैं। जिनमें लोग किस्तों में पांच–पांच हजार जमा करना चाहते हैं। लेकिन ऊर्जा निगम लोगों पर रहम करने को तैयार नहीं है। बिजली के कनेक्शन काटे जा रहे हैं। जिससे आम उपभोक्ता के सामने संकट खड़ा हो गया है। शर्मा ने ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता से किस्तों में बिल जमा कर लोगों को राहत देने की मांग की है।

यूक्रेन पर हमले से चिंता में है प्रदेशः जोशी

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस के सचिव महेश जोशी ने रूस द्वारा यूक्रेन पर हो रहे हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि भले ही यह रूस और यूक्रेन का अंदरूनी राजनीतिक मामला हो लेकिन शांति से हर समस्या का हल होना चाहिए । उन्होने कहा कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है और विनाशकारी घटनाओं का विरोध करता है। बमवर्षा से हो रही तबाही से दहशत का माहौल है हमारे देश के हजारों लोग व प्रदेश के युवा छात्र जो वहां पढ़ाई कर रहे है आज उनकी जान को खतरा है। भारत सरकार को उनकी शीघ्र घर वापसी की व्यवस्था करनी चाहिए। आज हमारे सैकड़ों छात्र वहां फंसे हैं जिनके लिए पूरा प्रदेश चिंतित है और उनकी शीघ्र सकुशल वापसी की कामना करता है।

टपकेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर बैठक

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। महंत किशन गिरी एवं दिगंबर भरत गिरी की अध्यक्षता में महाशिवरात्रि को लेकर बैठक टपकेश्वर मंदिर में की गई। बैठक में मेले से संबंधित सरकारी विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में महंत किशन गिरी ने महाशिवरात्रि पर्व पर मंदिर एवं सेवा दल द्वारा की जा रही व्यवस्था की जानकारी दी। मंदिर परिसर में हर तरफ सुरक्षा की दृष्टि से सी० सी० टी० वी० कैमरे लगा दिए गए है।

बैठक में मौजूद कोतवाली कैन्ट इंस्पेक्टर शंकर सिंह बिष्ट ने मंदिर समिति को आश्वासन दिया कि शिवरात्रि में श्रद्धालुओं को समस्या न हो इसके लिए पुलिस अपना पूर्ण सहियोग मंदिर समिति को देगी। साथ ही वीआईपी गेट भी अलग आईएचएम में बनाया जाएगा। महंत किशन गिरी ने जानकारी दी कि मेले में एम्बुलेंस और डॉक्टर की टीम को दवाइयों के साथ तैनात किया जायेगा।

छावनी परिषद के सेनेटरी इंस्पेक्टर मनोज बिष्ट ने जानकारी दी शिवरात्रि पर सफाई व्यवस्ता के लिए कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी साथ ही मेला क्षेत्र में दवाइयों का स्प्रे भी लगातार किया जाता रहेगा साथ ही छावनी परिषद द्वारा रोड लाइट एवं पेयजल व्यवस्था के लिए सभी व्यवस्था की जाएगी।

महंत किशन गिरी ने कहा मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े इसके लिए मंदिर द्वारा सभी व्यवस्थाएं की जा रही है तथा महाशिवरात्रि वाले दिन टपकेश्वर मंदिर सेवा दल के वॉलिंटियर्स लोगों की मदद के लिए मौजूद रहेंगे। बैठक में विद्युत विभाग के कनिष्ट अभियंता योगेश पांडे ने भी महाशिवरात्रि से पूर्व सभी तैयारिया पूर्ण करने का आश्वसान दिया। बैठक में श्री टपकेश्वर मंदिर के दिगंबर भरत गिरी, टपकेश्वर सेवादल के अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, महासचिव महेश खंडेलवाल, देवेंद्र पाल सिंह, आशीष गुप्ता, दिनेश शर्मा, रजनीश यादव, अमिताभ कश्यप, विनय गुप्ता , मौजूद रहे।

हाट गांव की महिलाओं ने एलईडी बल्ब बनाकर स्वरोजगार क्षेत्र में दिखाया कमाल

संवाददाता

धारचूला। धारचूला देहात के हाट गांव की महिलाओं ने एलईडी बल्ब बनाकर स्वरोजगार के क्षेत्र में कमाल कर दिखाया है। महिलाओं की मेहनत ने धारचूला को नयी पहचान दी है।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने हाट गांव पहुंचकर इस कार्य में लगी महिलाओं का हौसला बढ़ाया। कहा कि वे बाजार की दिक्कत को जिलाधिकारी से बात करके दूर करेंगे।

खेत, खलिहानों में अपना भविष्य देखने वाली हाट गांव की महिलाओं ने कुछ नया करने के सोचा और उसके चलते उन्होने सबसे पहले हाट गांव के भीतर महिला स्वयं सहायता समूह का गठन किया। गांव के सात समूह ने आपस में मिलकर सरस्वती ग्राम संगठन का गठन किया। खेती–बाड़ी तथा पशुपालन से जुड़ी इन महिलाओं ने एक नई सोच पैदा करते हुए एलइडी बल्ब बनाने के लिए प्रशिक्षण लिया। उसके पश्चात नोएडा से कच्चा माल मगां कर अपने गांव में एलईडी बल्ब बनाने लगी।

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं पंचायत घर में रोज 2 घंटे जमा होकर एलईडी बल्ब बना रही है। बाजार में बेचने के लिए भी महिलाएं खुद निकलकर मार्केटिंग का काम भी अच्छी तरह से कर रही है। इतना ही नहीं इन महिलाओं ने एलईडी बल्ब के अलावा एलईडी का चार्जिंग बल्ब का भी निर्माण कर दिखाया है। एलईडी के बल्ब खराब होने की दशा में उनकी भी महिलाएं मरमत कर उपयोग के लायक बना देती है। महिला स्वयं सहायता समूह की ग्राम संगठन के अध्यक्ष द्रोपति धामी का कहना है कि यहां 5, 9 तथा 12 वाट के बल्ब का निर्माण किया गया है। बाजार भाव से कम दामों में इनको बेचा जा रहा है। अन्य कंपनियों की तरह 6 माह की गारंटी भी उनके द्वारा दी जा रही है।जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने इस महिला ग्रुप के साथ बैठकर बातचीत की। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूह के निर्माण से लेकर आज स्वरोजगार के रास्ते पर मजबूती से कदम बढ़ा रही इन महिलाओं के इतिहास के बारे में नजदीकी से जाना। उन्होंने कहा कि वह जिलाधिकारी से मिलकर जिले के भीतर इन महिलाओं की एलईडी बल्ब तथा अन्य उत्पादों के खरीद कराने के लिए बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह से हम हिमाचल की तरह रोजगार परक राज्य की ओर बढ़ रहे है। उन्होंने धारचूला के नागरिकों से अपील किया कि वे महिलाओं के हाथों से बने एलईडी बल्ब को खरीदकर मातृशक्ति को प्रोत्साहन दे। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता गणेश दुग्ताल, रेखा रानी, कला नगन्याल, लक्ष्मी गुंज्याल आदि कई लोग मौजूद रहे।

एक सड़क रातों रात ठीक की जा सकती है तो दूसरी क्यों नहीं?

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी के सख्त लहजे के बाद राजपुर रोड पर रातों–रात सडक तैयार कर दी गयी तो क्या शहर को बदहाली से बचाने का तरीका मुकदमा ही है या फिर इन कार्यदायी संस्थाओं की कोई जिम्मेदारी नहीं है?

स्मार्ट सिटी के नाम पर शहर की सड़कों का बुरा हाल हो चुका है। जहां देखों सडकों में गड्डे ही गड्डे दिखायी देते हैं। वाहन चालक अगर तेजी से वाहन चलाये तो दुघर्टना होना सुनिश्चित है। वहीं इन मार्गो से बिमार व बुजुर्ग लोग निकलते है तथा उनको काफी परेशानी का सामना करना पडता है। यही नहीं कई बार तो इन बदहाल सडकों की वजह से जाम की स्थिति भी बन जाती है। इसका अंदाजा गांधी रोड प्रिंस चौक से द्रोण होटल तक देखा जा सकता है। वहीं प्रिंस चौक से रेलवे स्टेशन तक भी स्मार्ट सिटी के नाम पर सडक को खोदा गया है तथा उसको सुधारने के लिए सम्बन्धित संस्था कोई कदम उठाती दिखायी नहीं दे रही है। वहीं प्रिंस चौक से हरिद्वार रोड की सड़क भी इससे अछूती नहीं है। यही नहीं रायपुर रोड व परेड ग्राउण्ड से सहस्त्रधारा क्रांसिग तक भी सडक का बुरा हाल है जिससे चूना भट्टा में जाम की स्थिति बन जाती है जहां पर लोगों को काफी समस्या का सामना करना पडता है। यही हाल शहर के अन्य हिस्सों की भी है। लेकिन कोई भी कार्यदेयी संस्था इस तरफ ध्यान देती दिखायी नहीं दे रही है और स्थिति जस की तस बनी हुई है।

जिलाधिकारी ने राजपुर रोड पर क्वालटी चौक से घंटाघर तक सडक की बदहाली पर कार्यदेयी संस्था के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के आदेश दिये तो संस्था ने रातों रात सड़क को सही कर दिया तो फिर अन्य जगह ऐसा क्यों नहीं हो सकता है। क्या हर जगह के लिए जिलाधिकारी को मुकदमें ही दर्ज कराने होंगे। ऐसा हुआ तो सभी कार्यदेयी संस्था मुकदमें ही झेलती रहेगी।

जिलाधिकारी के सख्त होने से पूर्व ही इन सडकों का सही तरीके से निर्माण करके जनता को राहत दिलाने का भी काम उक्त संस्थाओं को करना होगा या फिर सभी सडकों के लिए मुकदमेबाजी जरूरी है?

कंसीलर खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा सही शेड

कंसीलर एक मेकअप प्रोडक्ट है, जिसका इस्तेमाल आंखों के काले घेरे, चेहरे के दाग-धब्बे और हाइपरपिग्मेंटेशन जैसी खामियों को छिपाने में मदद करता है। हालांकि, अक्सर महिलाएं इसे खरीदते समय लापरवाही और गलतियां कर देती हैं, जिसके कारण यह उनकी स्किन टोन पर सूट नहीं करता और उनका मेकअप बेस ही ठीक से नहीं बन पाता। ऐसा कुछ आपके साथ न हो, इसलिए आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि कंसीलर खरीदते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आजकल कंसीलर लिक्विड, स्टिक और क्रीम फॉर्मूले में आते हैं और लिक्विड कंसीलर हर तरह की त्वचा पर सूट करता है। इसके अतिरिक्त, यह अच्छा कवरेज भी प्रदान करता है। वहीं, स्टिक कंसीलर त्वचा को हाइड्रेट करने का काम कर सकता है और फुल कवरेज भी देता है, इसलिए यह रूखे प्रकार की त्वचा के लिए बेस्ट है। क्रीम कंसीलर रूखी और मिश्रित त्वचा के लिए बेहतरीन है, लेकिन यह एक मध्यम कवरेज देने वाला कंसीलर होता है।

कंसीलर तीन तरह के होते हैं, वार्म टोन, कोल्ड टोन और न्यूट्रल टोन। अगर आपको अपने अंडरटोन का पता चल जाता है तो आपके लिए सही कंसीलर का चयन करना बेहद ही आसान हो सकता है। अंडरटोन पहचानने का सबसे अच्छा तरीका आपकी नसें होती हैं। दरअसल, अगर आप कोल्ड टोन वाले हैं तो आपकी कलाई के पीछे वाले हिस्से पर नीली नसें दिखाई देंगी और अगर आप वार्म टोन वाले हैं तो आपकी नसें हरे रंग की दिखेंगी।

कंसीलर के शेड का चयन त्वचा की जरूरतों को ध्यान में रखकर भी करना चाहिए। अगर आप मेकअप के दौरान अपने चेहरे के कुछ हिस्सों को हाइलाइट करना चाहते हैं तो कंसीलर का ऐसा शेड चुनें, जो आपके फाउंडेशन शेड से थोड़ा हल्का हो। वहीं, अगर आपकी आंखों के नीच काले घेरे हैं तो पीले या नारंगी रंग का कंसीलर चुनें। अपने चेहरे की लालिमा, मुंहासे या रैशेज को छिपाने के लिए हरे रंग का कंसीलर चुनना बेहतर है।

अगर आपने अपने लिए कोई कंसलीर चुन लिया है तो उसी शेड के कंसीलर का एक सेंपल टेस्ट लें। इसके लिए लाइट में रहने की बजाय एक बार सूरज की रोशनी में इसे देखें, ताकि यह साफ हो जाए कि आपके चेहरे पर कंसीलर का यह शेड असल में कैसा लगेगा। सेंपल टेस्ट को लेकर आप हिचकिचाएं नहीं क्योंकि अगर आपने गलत शेड का कंसीलर खरीद लिया तो बाद में आपको परेशानी हो सकती है।

बेहतर होगा कि आप हमेशा ब्रेंडेड कंसीलर ही खरीदें क्योंकि वे कई टेस्ट के बाद मार्केट में आते हैं और उनका इस्तेमाल आपकी त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाता। वहीं, कंसीलर की कीमत लगभग 100 से 700 रूपये है। (आरएनएस)

सोनल वेंगुर्लेकर 'मेरे साईं : श्रद्धा और सबूरी' में अहम भूमिका निभाएंगी

अभिनेत्री सोनल वेंगुर्लेकर शो 'मेरे साईं: श्रद्धा और सबूरी' की नवीनतम जोड़ी हैं। उन्हें एक महिला डॉक्टर की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, जो भयंकर महामारी के बीच शिरडी आती है। एक्ट्रेस ने शो में अपने रोल के बारे में बात की।

शो का हिस्सा बनने और अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए सोनल कहती हैं: मैं 'मेरे साईं' की एक उत्साही दर्शक रही हूं। हर एपिसोड से बहुत कुछ सीखने को मिलता है क्योंकि यह बहुत ज्ञान और सीख देता है। इसका हिस्सा बनने के लिए इतना प्रतिष्ठित शो मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

इसके अलावा, मैं अपने ऑन-स्क्रीन चरित्र से बहुत प्रेरित हूं, जो कठिन से कठिन समय में भी जीवन के उज्जवल पक्ष को देखता है। भले ही शिरडी आने पर उसे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, साईं उसके साथ खड़ा होता है। वह इसमें विश्वास करता है। उसे और यहां तक कि लोगों को उस पर विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

इसके अलावा, 'ये है चाहतें' की अभिनेत्री साझा करती है: हालांकि, अगर हम इसके बारे में सोचते हैं, तो इतने सालों के बाद भी, आज का पितृसत्तात्मक समाज किसी भी पेशे में एक महिला की विश्वसनीयता पर संदेह करता है। मुझे उम्मीद है कि इस शो के माध्यम से हम कई लोगों के दिमाग को प्रभावित कर सकते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और प्रत्येक व्यक्ति को वह अधिकार दे सकते हैं जिसके वे हकदार हैं।

'मेरे साईं: श्रद्धा और सबूरी' सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अनानास जैसा फायदेमंद है उसका छिलका

अनानास एक बहुत ही सेहतमंद फल है। इससे केवल आपके स्वास्थ्य को ही नहीं बल्कि आपकी त्वचा को भी फायदा होता है। वैसे तो अनानास के छिलके को हम अक्सर फेंक देते हैं लेकिन ये आपकी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है। आप सभी को बता दें कि यह विटामिन सी और मैंगनीज जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है और इसी के साथ यह आपकी त्वचा को एक्सफोलिएट करने का काम करता है। आपको बता दें कि इसका इस्तेमाल बॉडी स्क्रब के रूप में किया जा सकता है। यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखने और त्वचा को साफ करने में मदद करता है। इसी के साथ यह त्वचा को ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। इसके अलावा यह झुर्रियों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है और ये त्वचा को जवां और मुलायम बनाने में मदद करता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं आप अनानास के छिलकों का इस्तेमाल करके बॉडी स्क्रब कैसे बना सकते हैं?

इस तरह बनाएं बॉडी स्क्रब- अनानास से बॉडी स्क्रब बनाने के लिए आपको 1 कप अनानास का छिलका, ड्ड कप सफेद चीनी और 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल की जरूरत होगी। अपना ग्राइंडर लें और 1 कप अनानास के छिलके को पीस लें। इसे बाउल में निकालें, चीनी और गुलाब जल डालें और मिलाएं। अब त्वचा पर स्क्रब लगाएं, धीरे से इसे त्वचा पर स्क्रब करें। वहीं इसके बाद साफ पाने से धो लें।

अनानास के छिलके से बने बॉडी स्क्रब के फायदे-

काले धब्बे हटाता है- दाग-धब्बों का हटाने के लिए अनानास के छिलके से बने बॉडी स्क्रब का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है। इसी के साथ काले धब्बों को कम करने में मदद करता है।

त्वचा को एक्सफोलिएट करता है- अनानास के छिलके में ऐसे गुण होते हैं जो इसे नेचुरल एक्सफोलिएटर बनाते हैं। एएचए (अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड) से भरपूर अनानास मृत त्वचा कोशिकाओं को एक्सफोलिएट करता है। जी हाँ और यह मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है। इसी के साथ ये त्वचा को मुलायम बनाता है और फ्रेश रखता है।

क्यूटिकल्स और नाखूनों को स्वस्थ बनाता है- विटामिन जैसे पोषक तत्वों की कमी के कारण हमे इस परेशानी को झेलना पड़ता है।

पोषक तत्व प्रदान करने और नाखूनों को साफ रखने के लिए इस स्क्रब का इस्तेमाल कर सकते हैं। (आरएनएस)

रियलिटी शो लॉक अप में नजर आएंगी शहनाज गिल

जब किसी रियलिटी शो के साथ कंगना रनौत जैसा बड़ा नाम जुड़ जाए, तो उसको लेकर उत्सुकता बढ़ जाती है। एकता कपूर ने हाल में अपने रियलिटी शो लॉक अप: बेडऐस जेल, अत्याचारी खेल का ऐलान किया है। इस शो को कंगना होस्ट करेंगी। शो को लेकर कई कलाकारों का नाम सामने आ चुका है। अब ऐसी चर्चा है कि बिग बॉस की पूर्व प्रतिभागी शहनाज गिल लॉक अप में नजर आएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, कंगना के शो लॉक अप के लिए शहनाज के नाम पर मुहर लग चुकी है। एक सूत्र ने कहा, शहनाज को कंगना के लॉक अप का हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया गया है। वह इस शो में प्रतिभागी बनने के लिए तैयार भी हो गई हैं। शहनाज अभी जीवन के कठिन दौर से गुजर रही हैं और वह मीडिया की चकाचौंध से दूर रहना चाहती हैं। यह उनके लिए एक अच्छा मौका है।

सूत्र की मानें तो शहनाज ने लाखों दिलों पर राज किया है और वह इस शो की सबसे मजबूत प्रतियोगियों में से एक होंगी। हाल में उन्हें बिग बॉस 15 के ग्रैंड फिनाले में देखा गया था। परफॉर्म करने से पहले जब वह सलमान खान से मिली, तो अपने आंसू नहीं रोक पाई थीं। वह बिग बॉस 13 के विजेता और बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ शुक्ला को याद करके भावुक हो गई थीं। ऐसे समय में लॉक अप उन्हें एक स्पेस देगा।

एंडेमोल शाइन इंडिया द्वारा शो का निर्माण किया जाएगा। शो का प्रसारण 27 फरवरी से एएलटी बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर होगा। शो में 16 विवादित सेलिब्रिटीज एक घर या लॉक अप में बंद होंगे एक महीने के लिए। इस शो का फॉर्मेट बिग बॉस से काफी मिलता-जुलता होगा। दर्शकों को अपने चुने हुए प्रतियोगियों को दंडित करने या पुरस्कार देने का विकल्प दिया जाएगा। बिग बॉस की तरह सेट पर कैमरे लगे होंगे और प्रतियोगियों को टास्क दिए जाएंगे।

हाल में इस शो से विवादित अभिनेत्री पूनम पांडे का नाम जुड़ा है।

शब्द सामर्थ्य -134

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

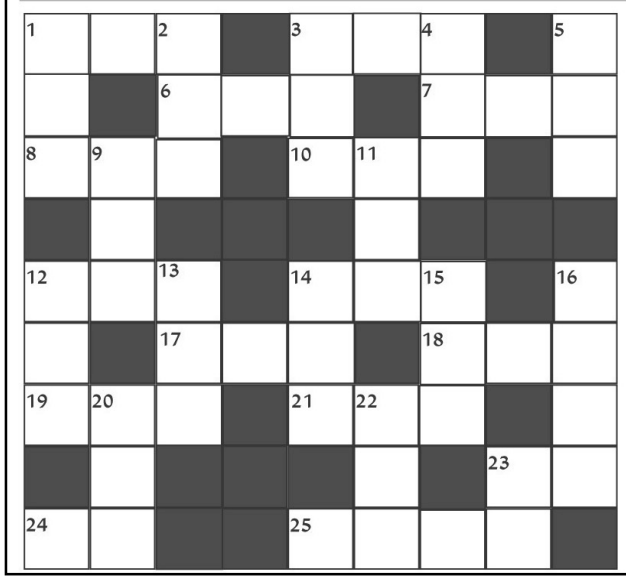

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 133 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

लक्ष्मी के लिए पहली पसंद थे अजय देवगन

हॉरर कॉमेडी फिल्म लक्ष्मी से अभिनेता तुषार कपूर ने प्रोडक्शन के क्षेत्र में कदम रखा था। फिल्म 2020 में दर्शकों के बीच आई थी। फिल्म में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में नजर आए थे। लक्ष्मी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और अक्षय की एक्टिंग भी फीकी रही। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फिल्म के लिए अक्षय पहली पसंद नहीं थे। रिपोर्ट की मानें तो तुषार की इस फिल्म के लिए अजय देवगन पहली पसंद थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्मी के लिए अक्षय नहीं, बल्कि अजय मेकर्स की पहली पसंद थे। ये अलग बात है कि अजय ने इस फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया था। तुषार ने अपनी हालिया आई किताब बैचलर डैड में इस वाक्या का खुलासा किया है। दिसंबर, 2013 में भी तुषार ने एक इंटरव्यू में कहा था कि अजय कंचना के कास्ट को लीड करेंगे। फिल्म की शूटिंग अगस्त, 2014 में शुरू करने की योजना बनाई गई थी।

इसके बाद जुलाई, 2014 में ऐसी खबरें आई थीं कि अजय ने इस फिल्म से खुद को बाहर कर लिया है। अजय को क्लाइमेक्स के एक महत्वपूर्ण सीन में साड़ी पहनना और मेकअप लगाना था, जिसके लिए वह सहज नहीं थे। वहीं, रोल के लिए यह गेटअप जरूरी थी। यही वजह है कि उन्होंने फिल्म से खुद को अलग कर लिया। बता दें कि अक्षय ने इस फिल्म में ट्रांसजेंडर का रोल निभाया था।

जब अजय ने लक्ष्मी को ठुकरा दिया, तब जाकर इस प्रोजेक्ट में अक्षय की एंट्री हुई थी। 2018 में अक्षय इस फिल्म में शामिल हुए और उन्होंने इसे साइन किया।

लक्ष्मी 2020 में ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। यह हॉरर कॉमेडी फिल्म थी, जिसका निर्देशन राघव लॉरेंस ने किया था। इस फिल्म में कियारा आडवाणी, अश्विनी कलसेकर, राजेश शर्मा, आयशा रजा, मनु ऋषि और शरद केलकर जैसे कलाकार नजर आए थे। यह तमिल फिल्म कंचना की हिन्दी रीमेक है।

अजय स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म मैदान में दिखेंगे। इसमें वह एक फुटबॉल कोच की भूमिका निभाएंगे। उन्हें आरआरआर में भी देखा जा सकता है। वह गंगूबाई काठियावाड़ी और रेड 2 में भी नजर आएंगे। अक्षय फिल्म पृथ्वीराज में मुख्य भूमिका में हैं। उन्हें फिल्म राम सेतु में जैकलीन फर्नांडिस व नुसरत भरूचा के साथ देखा जाएगा। वह फिल्म रक्षाबंधन में भी दिखने वाले हैं। फिल्म ओह माय गॉड 2 भी अक्षय के खाते से जुड़ी है। (आरएनएस)

शुभावी चोकसी ने बड़े अच्छें लगते हैं में अपने किरदार को लेकर बात की

अभिनेत्री शुभावी चोकसी को बड़े अच्छें लगते हैं शो में राम (नकुल मेहता द्वारा अभिनीत) की मां का एक ग्रे किरदार निभाने में मजा आ रहा है।

शो में, नंदिनी राम और प्रिया में उथल-पुथल पैदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

शुभावी ने कहा कि भारतीय अभिनेत्रियों के लिए एक ग्रे शेड नया नहीं है। दर्शक बदल रहे हैं। जब भूमिका चुनने की बात आती है, तो मैं हमेशा बहुमुखी प्रतिभा और दायरे को देखती हूं।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी, कहानी घर घर की और कसौटी जिंदगी की जैसे शो में नजर आ चुकीं अभिनेत्री का कहना है कि पर्दे पर एक नकारात्मक व्यक्तित्व का किरदार निभाना उनके लिए एक अवसर की तरह है।

वह आगे कहती हैं कि नंदिनी जैसा ग्रे किरदार निभाना मेरे लिए लगातार विकसित होने और खुद को चुनौती देने का अवसर है।

बड़े अच्छे लगते हैं सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

नागा चैतन्य और पूजा हेगड़े अगले प्रोजेक्ट में साथ आएंगे नजर

नागा चैतन्य और पूजा हेगड़े एक बाइलिंगुअल फिल्म में साथ काम करेंगे। हालांकि चैतन्य-पूजा हेगड़े की फिल्म के बारे में कोई जानकारी नहीं है। यह माना जाता है कि एक आधिकारिक घोषणा उनके सहयोग की पुष्टि करेगी।

तेलुगू-तमिल द्विभाषी फिल्म (जिसका निर्देशन तमिल फिल्म निर्माता वेंकट प्रभु करेंगे) में नागा चैतन्य शामिल होंगे। निर्माता सबसे चर्चित अभिनेत्री पूजा हेगड़े को लेने के लिए उत्सुक हैं। यह परियोजना वेंकट प्रभु निर्देशित पहली तेलुगू फिल्म होगी। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो नागा चैतन्य और पूजा ओका लैला कोसम के बाद में एक साथ पर्दे पर दिखाई देंगे। दूसरी ओर, नागा चैतन्य, विक्रम कुमार की थैंक यू की शूटिंग कर रहे हैं, जबकि उनकी झोली में एक वेब सीरीज भी है। पूजा हेगड़े अगली बार तमिल में विजय की बीस्ट में दिखाई देंगी, जबकि वह तेलुगू में त्रिविक्रम श्रीनिवास के निर्देशन में महेश बाबू के साथ एक फिल्म के लिए भी काम कर रही हैं। (आरएनएस)

स्मार्ट जोड़ी में मेहमान बनकर एंट्री कर सकते हैं विक्की-कैटरीना

विक्की कौशल और कैटरीना कैफ ने जब से शादी की है, दोनों का नाम कई फिल्मों से जुड़ चुका है और अब खबर है कि कैटरीना और विक्की एक शो में गेस्ट बनकर एंट्री मारने वाले हैं। दोनों शो स्मार्ट जोड़ी के पहले एपिसोड की रौनक बढ़ाने वाले हैं। शादी के बाद पहली बार उन्हें छोटे पर्दे पर साथ देखना फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा।

एक सूत्र ने बताया कि स्टार प्लस के शो स्मार्ट जोड़ी के निर्माता विक्की और कैटरीना को एक जोड़ी के रूप में लाने के लिए उत्सुक हैं। कैटरीना-विक्की से शो के लिए संपर्क किया गया है। निर्माता चाहते हैं कि स्मार्ट जोड़ी के शुरुआती एपिसोड में दोनों गेस्ट बनकर आएं। उन्हें उम्मीद है कि विक्की-कटरीना का गेस्ट बनकर आना शो के लिए अच्छी शुरुआत होगी। हालांकि, कपल ने अभी तक इसके लिए मंजूरी नहीं दी है। शो के प्रोमोज में नील भट्ट-ऐश्वर्या शर्मा, राहुल महाजन-नताल्या, भाग्यश्री-हिमालय दासानी जैसी जोड़ियां दिख चुकी हैं। यह शो सुपरहिट कन्नड़ शो इशमार्ट जोड़ी का हिंदी रीमेक है। शो में कपल को फन गेम्स खेलते हुए आगे बढ़ना होगा। इसमें दर्शकों को 12-15 सेलेब्रिटी कपल देखने को मिलेंगे। इसके लिए निर्माताओं ने पूजा बनर्जी-कुणाल वर्मा, मोनालिसा-विक्रांत सिंह राजपूत, गौतम रोडे-पंखुरी अवस्थी, करिश्मा तन्ना-वरुण बंगेरा, मौनी रॉय-सूरज नांबियार और गौहर खान-जैद दरबार से भी संपर्क किया है।

मनीष पॉल स्मार्ट जोड़ी के होस्ट के रूप में दिखाई देंगे। हालांकि, पहले शो की मेजबानी के लिए रितेश देशमुख और आयुष्मान खुराना का नाम भी जुड़ा था। इस शो के बारे में खुद मनीष पॉल ने बात करते हुए कहा, एक परफॉर्मर के रूप में मैं हमेशा नए, दिलचस्प और मनोरंजन से भरपूर कॉन्सेप्ट की तरफ ही आकर्षित हुआ हूं। इस शो में वह सब कुछ शामिल है, जो मुझे पसंद है। मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने 9 दिसंबर को राजस्थान के होटल सिक्स सेंसेज फोर्ट में शादी की थी, जहां उनके करीबी दोस्त और रिश्तेदार शामिल हुए थे। शादी के लिए इस होटल को किसी आलीशान महल की तरह सजाया गया था। शादी समारोह 7-12 दिसंबर तक हुए थे। निर्देशक कबीर खान के घर पर उनकी सगाई हुई थी। काफी समय से विक्की-कैटरीना एक-दूसरे को डेट कर रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने अफेयर पर चुप्पी साधी हुई थी। इन दिनों कैटरीना, सलमान खान के साथ दिल्ली में फिल्म टाइगर 3 की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह इस फिल्म का आखिरी शेड्यूल है। दूसरी तरफ विक्की ने हाल ही में अभिनेत्री सारा अली खान के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग पूरी की है।

दिव्या अग्रवाल के ग्लैमरस लुक ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

देश के चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी की विजेता और टीवी की मशहूर एक्ट्रेस दिव्या अग्रवाल ने अपनी ग्लैमरस अदाएं दिखाकर सोशल मीडिया का पारा एक बार फिर बढ़ा दिया है. दिव्या ने इंस्टा पर बिकिनी में अपनी फोटोज साझा की हैं. इनमें दिव्या की टोन्ड फिगर एवं स्वैग देखने लायक है. फोटोज में दिव्या क्रीम कलर बिकिनी पहन किलर पोज दे रही हैं. लॉन्ग स्ट्रेट हेयर्स, न्यूड लिप्स, स्मोकी आईमेकअप दिव्या के अवतार में चार चांद लगा रहे हैं. अभिनेत्री ने फोटोशूट के लिए अपने लुक को नार्मल रखा है.

वही सिंपल रहते हुए भी दिव्या जबरदस्त नजर आ रही हैं. दिव्या की इन ग्लैमरस तस्वीरों को बहुत पसंद किया जा रहा है. फोटोज को साझा करते हुए दिव्या ने लिखा-पोज ए थ्रीट. दिव्या की इन ग्लैमरस फोटोज में सबसे स्पेशल है उनके बॉयफ्रेंड वरुण सूद का कमेंट. वरुण ने लिखा- स्टॉप, स्टॉप, स्टॉप. अब वरुण के इस कमेंट को पढ़ स्पष्ट पता चलता है कि उन्हें दिव्या की ये फोटोज बहुत पसंद आई हैं.

वही प्रशंसकों ने दिव्या की इन फोटोज पर हार्ट और फायर इमोजी की बरसात ही कर दी है. दिव्या के स्टनिंग लुक्स के प्रशंसक दीवाने हो रहे हैं. बता दे कि सोशल मीडिया पर दिव्या अक्सर अपनी खूबसूरत फोटोज साझा करती रहती हैं. दिव्या को रियलिटी शोज की चीन भी बोला जाता है. दिव्या अग्रवाल ने पिछले वर्ष बिग बॉस ओटीटी अपने नाम किया था. निशांत भट्ट को पराजित कर दिव्या शो जीती थीं. दिव्या कई शोज तथा वेब सीरीज में नजर आ चुकी हैं. वे टेलीविज़न जगत की यंग टैलेंट में शुमार की जाती हैं.

द कश्मीर फाइल्स की रिलीज से पहले विवेक अग्निहोत्री ने डिएक्टिवेट किया अपना ट्विटर अकाउंट

निर्माता-निर्देशक विवेक अग्निहोत्री पिछले काफी समय से फिल्म द कश्मीर फाइल्स को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी इस फिल्म की रिलीज से पहले विवेक को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। अब निर्देशक ने अपना ट्विटर अकाउंट डिएक्टिवेट कर दिया है। विवेक ने सोशल मीडिया पर एक ओपन लेटर भी लिखा है। इसमें उन्होंने उस कठिन वक्त के बारे में बताया है, जिससे वह गुजरे हैं।

विवेक ने लिखा, बहुत से लोग सोच रहे हैं कि मेरा ट्विटर अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है, लेकिन ऐसा नहीं है। मैंने इसे डिएक्टिवेट कर दिया है। जब से मैंने द कश्मीर फाइल्स का कैंपेन शुरू किया है, ट्विटर शैडो ने मुझ पर बैन लगा दिया है। उन्होंने लिखा, मेरे फॉलोअर्स में भारी गिरावट आई। मेरे ज्यादातर फॉलोअर्स मेरे कोई भी ट्वीट नहीं देख पा रहे थे। मेरा इनबॉक्स अश्लील और धमकी भरे मैसेज से भरा हुआ था।

विवेक ने लिखा, मेरे और मेरे परिवार के लिए इतनी नफरत, गालियां और धमकियां किसलिए? हमारे कश्मीरी भाइयों और बहनों के दर्द और पीड़ा पर एक सच्ची फिल्म बनाने की वजह से? उन्होंने लिखा, क्या वे इस बात से खफा हैं कि सच सामने आ सकता है? सोशल मीडिया की कुरूप दुनिया ने बहुत से बुरे लोगों को पॉवर दी है। हमारी चुप्पी उन्हें सफल होने की उम्मीद देती है। मेरी फिल्म द कश्मीर फाइल्स उस चुप्पी को तोड़ती है।

विवेक ने लिखा, मैं हमेशा उनके लिए बोलता हूं, जिनकी कोई नहीं सुनता। मैं भारत के दुश्मनों के खिलाफ हमेशा बोलता रहा हूं और भारत विरोधियों का पर्दाफाश करता रहा हूं। वे मुझे चुप कराना चाहते हैं। मैं अच्छी तरह जानता हूं कि कश्मीर नरसंहार जैसी दुखद घटनाओं में चुप्पी मदद करती है। उन्होंने लिखा, उन्हें पता होना चाहिए कि मुझे चुप नहीं कराया जा सकता। मैं अपने सभी प्रशंसकों को उनके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं।

द कश्मीर फाइल्स को अमेरिका में 30 से अधिक बार दिखाया जा चुका है। विवेक को स्क्रीनिंग रोकने के लिए धमकी भरे फोन आए थे। उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं कि वह भारत में फिल्म रिलीज ना करें, वरना वह अपनी जान गंवा देंगे।

द कश्मीर फाइल्स में अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी और दर्शन कुमार नजर आएंगे। अनुपम खेर इसमें पुष्कर नाथ पंडित का किरदार निभाने वाले हैं। फिल्म में पुष्कर नाथ फिलॉसफी के रिटायर्ड प्रोफेसर हैं। फिल्म की कहानी सच्ची घटना को केंद्र में रखकर बुनी गई है, जिसमें कश्मीरी पंडितों की पीड़ा को दिखाया जाएगा। 1990 के कश्मीरी पड़ितों की जो स्थिति थी, उसे पर्दे पर उतारने की कोशिश की गई है। फिल्म 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जल जीवन मिशन के अन्तर्गत राष्ट्रीय वेबिनार का पीएम मोदी ने किया शुभारम्भ

नई दिल्ली (सं)। जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार की हर घर नल– हर घर जल योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लिये वरदान साबित होगी। आकांक्षी जनपदों को इस महत्वपूर्ण योजना में वरीयता दिये जाने की आवश्यकता है। यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज पोस्ट बजट वेबिनार– लीविंग नो सिटिजन बिहाइन्ड के अवसर पर सम्बोधित करते हुये कही गयी। केन्द्र और राज्य सरकारें मिलजुल कर इस जल जीवन मिशन के लिये कार्य कर रही हैं। आने वाले वर्षों में इस मिशन पर हम ३.५ लाख करोड़ रूपये से अधिक धनराशि व्यय करेंगे। उनके द्वारा कहा गया कि अगले पॉच वर्षों में हमें गत ७० वर्षों में किये गये काम की अपेक्षा चार गुना कार्य अधिक करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कहा गया कि भारत की आत्मा मेहनतकश लोगों में बसती है। १३० करोड़ भरतीयों की कुछ कर गुजरने की इच्छा की भावना का सम्मान करने का सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि हम उनके प्रयासों को बल दें। लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिये और उनके हितों की रक्षा के लिये वर्ष २०१४ से हमारी सरकार अथक और निरन्तर कार्य कर रही है। हमने विशेषकर उन लोगों के सपनों को साकार करने पर ध्यान दिया है जिन्होनें अपने और अपने परिवार के बेहतर जीवन का स्वप्न देखा था पर उसे पूरे करने के साधन उन्हे पहले कभी उपलब्ध नही कराये गये।

लोगों के अच्छे स्वास्थ्य के लिये पेयजल अनिवार्य है। अधिकतर बीमारियां पानी के माध्यम से फैलती हैं। नल से जल, गरीबों के स्वास्थ्य में सुधार लाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है, क्योंकि अक्सर गरीब लोग स्वच्छ जल की कमी के कारण रोगों का शिकार हो जाते हैं। स्वच्छ जल का एक अन्य लाभ यह होगा कि ग्रामीण महिलाओं का जिन्हे लम्बी दूरी से पानी लाना पड़ता है, उन्हे मुश्किलों से मुक्ति मिलेगी। ठीक उसी तरह जैसे उज्वला योजना से उन्हे जलावन की लकड़ी जुटाने से मुक्ति मिली हैद्य यह मिशन भी उनके समय और ऊर्जा को बचाते हुये उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। इस प्रयास में सभी हितधारकों, विशेषकर ग्रामीण समुदायों से मैं एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह करता हूँ ताकि जल हमारी साझी प्रतिबद्वता बने। हमें इस मिशन को एक जन आंदोलन और जल को ज्ज्सभी का सरोकार् बनाना है। इस मिशन के अन्तर्गत सृजित परिसम्पत्तियों के प्रति लोग सामुहिक रूप से अपनेपन का भाव विकसित करें। आइए हम सभी एकजुट होकर जल की हर बूंद को संरक्षित करने, हर ग्रामीण परिवार को साफ पेयजल उपलब्ध कराने और इस प्रकार अपनी भावी पीढ़ियों के लिये पेयजल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करें।

वेबिनार को सम्बोधित करते हुये भारत सरकार के जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा कहा गया कि जल जीवन मिशन भारत सरकार की अति महत्वपूर्ण योजना है, जिसका लक्ष्य सभी घरों तक कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराना ही नही है बल्कि स्थानीय जल संसाधनों के सर्वांगीण प्रबन्धन को बढ़ावा देना भी है। इस जल आपूर्ति कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते समय जल श्रोतों का संरक्षण करके उन्हे सतत बनाने और जल के पुनः उपयोग की विधियों का प्रयोग करने जैसे उपायों की जरूरत पर ध्यान दिया गया है और इन्हे पहली बार योजना की रूपरेखा का अनिवार्य हिस्सा बनाया गया है।

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि इस वर्ष भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन योजना हेतु ६० हजार करोड़ रूपए का बजट का प्राविधान किया गया है। उन्होनें कहा कि मुझे विश्वास है कि इन प्रचालन दिशा निर्देशों में किये गये उल्लेख के अनुसार केन्द्र और राज्स सरकारों के बीच ऐसा मजबूत तालमेल बनेगा जिससे न केवल इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का कार्यान्वयन हो सकेगा बल्कि अधिक से अधिक जनता को इससे जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। इसलिये हमारे इस महान राष्ट्र के प्रत्येक व्यक्ति से मैं आग्रह करता हूँ कि वह जल जीवन मिशन को अपना मिशन समझे और हमारे सभी ग्रामीण परिवारों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराने के इस आन्दोलन को एक जन आंदोलन बनाने के लिये कार्य करें।

वेबिनार को सम्बोधित करते हुये हिमालयन इंस्टीट्यूट फॉर इन्वारन्मेंट इकोलोजी एण्ड डेवलपमेंट (हाईफीड) जो कि जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार का मुख्य संसाधन केन्द्र (के०आर०सी०) के रूप में कार्यरत है, के निदेशक डा० कमल बहुगुणा द्वारा कहा गया कि इम्प्लिमेंटिंग सपोर्ट ऐजेंसी के रूप में हाईफीड द्वारा नियोजन चरण में उत्तराखण्ड के १८४ गॉवों में ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समितियों का गठन किया गया है तथा उक्त समितियों के साथ बैठकर गॉवों का बेसलाईन सर्वे कर विलेज एक्शन प्लान तैयार किये गये हैं। अधिकांश गॉवों की डी०पी०आर० तैयार हो चुकी हैं तथा योजना क्रियान्वयन का कार्य प्रारम्भ होकर पेयजल योजनाओं का निर्माण कार्य गतिमान है।

हाईफीड द्वारा राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, उत्तराखण्ड शासन के सतत हयोग से जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद टिहरी व उत्तरकाशी के १० विकासखण्डों में ग्राम प्रधानों तथा ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समितियों के सदस्यों के प्रशिक्षण चलाये जा रहे हैं।

डा० कमल बहुगुणा ने कहा कि जैसा कि पहाड़ों की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बारे में सभी विज्ञ हैं कि किस प्रकार की विकट परिस्थितियों में पहाड़ की महिलाओं को कई कई किलोमीटर दूर से पानी सिर पर ढोकर लाना होता है, इसके मध्यनजर माननीय प्रधानमंत्री जी के व्यापक जनहित के लिये उनके विज़न व मिशन के अनुरूप संचालित जल जीवन मिशन जैसी योजनायें समस्त देश और विशेषकर पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाओं के कार्यबोझ को कम करने के लिये वरदान साबित हो रही है। जैसा कि पर्वतीय क्षेत्रों में पानी के श्रोत धीरे धीरे सूख रहे हैं, अतः जल श्रोतों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है जिससे कि पेयजल की योजनायें लम्बे समय तक सस्टेन कर सकें।

डा० बहुगुणा ने कहा कि योजना के अन्तर्गत गठित ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समितियों तथा समस्त ग्रामवासियों व विशेषकर महिलाओं द्वारा इस कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्मित की जाने वाली पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन में बढ़ चढ़ कर सहभागिता की जा रही है तथा योजना निर्माण में ५ प्रतिशत नकद योगदान भी दिया जा रहा है। कई गॉवों में यह योजना मूर्तरूप ले चुकी है तथा शेष गॉवों में क्रियान्वयन चरण गतिमान है।

इस वेबिनार के अवसर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री भारत सरकार श्री गिरिराज सिंह, जल शक्ति राज्य मंत्री भारत सरकार श्री प्रहलाद सिंह पटेल, जल शक्ति राज्य मंत्री भारत सरकार श्री विशेश्वर टुडू, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली, सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग भारत सरकार श्रीमति विनी महाजन, सचिव पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय श्री पंकज जैन, सचिव ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार श्री एन०एन० सिन्हा, सचिव पंचायती राज भारत सरकार श्री सुनील कुमार, अपर सचिव ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार श्री आशीष गोयल, श्री के० अशोक कुमार वाइस प्रेसिडेंट लार्सन एण्ड टूब्रो, श्री निकोलस ओस्बेर्ट चीफ यूनिसेफ इण्डिया, श्री जी० मथी वाथनन प्रमुख सचिव उड़ीसा शासन, श्री शैलेश बगोली सचिव उत्तराखण्ड शासन, श्री आर० मुकुन्दन प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी टाटा केमिकल्स, श्री गिरीश कृष्णामूर्ति प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी टाटा मेडिकल्स, श्री राकेश मिश्री डाइरेक्टर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि०, श्री संतोष कुमार कार्यकारी निदेशक भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि० आदि द्वारा भी प्रतिभागियों को सम्बोधित किया गया।

सू- दोकू क्र.134

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.133 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

विश्वास बहाली जरूरी

महामारी के कारण पटरी से उतरी अर्थव्यवस्था को संभलने का मौका मिल ही रहा था कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्ण का मामला सामने आ गया। इससे निवेशकों में घबराहट हुई जिसका असर बाजार पर पड़ा। बाजार की अर्थव्यवस्था विश्वास पर टिकी होती है और इसी विश्वास को कायम रखने के लिए रामकृष्ण मामले की बहु एजेंसी जांच जारी है। रामकृष्ण का नाम तब सुर्खियों में आया, जब पिछले दिनों भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि उन्होंने हिमालय में विचरण करने वाले एक योगी के प्रभाव में आकर आनंद सुब्रमण्यन को एक्सचेंज में समूह परिचालन अधिकारी तथा प्रबंध निदेशक का सलाहकार नियुक्त किया।

सेबी ने रामकृष्ण समेत संबंधित पूर्व अधिकारियों पर भारी जुर्माना लगाया। गौरतलब है कि बाजार मामले में एनएसई 7० फीसदी 'ऑपरेटिंग मार्जिन' और भारत के पूंजी बाजार पर एकाधिकार के साथ दुनिया का सबसे बड़ा 'डेरिवेटिव एक्सचेंज' है। ऐसी महत्वपूर्ण संस्था की प्रमुख रहीं चित्रा किसी 'बाबा' के कहने पर फैसले लेती रही हों, यह बेहद चौंकाने वाला प्रकरण है। यही नहीं, आरोप ये भी हैं कि रामकृष्ण इस 'बाबा' के साथ ईमेल साझा करती थीं। वह इस 'बाबा' से नियुक्तियों, भविष्य की योजनाओं और एक्सचेंज के कामकाज के कई अन्य पहलुओं पर सलाह लेती थीं। गंभीर आरोपों और जांच प्रकरण के बीच रामकृष्ण, एक अन्य पूर्व सीईओ रवि नारायण और पूर्व समूह परिचालन अधिकारी आनंद सुब्रमण्यन के खिलाफ 'लुक आउट सर्कुलर' जारी किया गया है, ताकि उन्हें देश छोड़ कर भागने से रोका जा सके। जांच एजेंसी सीबीआई की प्राथमिकी में कहा गया है कि एक निजी कंपनी के मालिक एवं प्रवर्तक ने एनएसई के अज्ञात अधिकारियों के साथ साजिश कर एनएसई के सर्वर का दुरुपयोग किया। यह आरोप भी लगाया है कि एनएसई, मुंबई के अधिकारियों ने वर्ष 2०1० से 2०12 के दौरान 'को-लोकेशन' सुविधा का दुरुपयोग करके कंपनी को अनुचित पहुंच उपलब्ध कराई। उक्त कंपनी स्टाक एक्सचेंज के सर्वर में सबसे पहले लॉगइन करने में सक्षम हो गई, जिससे उसे अन्य ब्रोकर से पहले डाटा हासिल हो गया।

असल में यह सारा मामला कोई एक-दो दिन या महीनों का नहीं है। पूरा प्रकरण है वर्ष 2०13 से 2०16 के बीच का। उस वक्त चित्रा रामकृष्ण एनएसई की सीईओ थीं। इन 3-4 सालों के दौरान एनएसई में ढेरों अनियमितताएं हुईं। कामकाज बड़े नाटकीय तरीके से हो रहे थे। बिना योग्यता वाले लोगों की उच्च पदों पर नियुक्ति एवं सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज से जुड़े सारे फैसले 'बाबा' से ही पूछकर लिए जा रहे थे। शिकायत मिलने के बाद बाजार नियामक ने जांच शुरू की और इस जांच को पूरे 6 साल लग गए। तमाम जांच प्रक्रिया के बाद पिछले दिनों सेबी ने 19० पन्नों का ऑर्डर जारी किया। इसके बाद सीबीआई ने चित्रा से पूछताछ की। सीबीआई के अलावा सेबी और एनएसई की भी अपनी जांच चल रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि पूरे मामले की गहन और सही दिशा में जांच होगी, और दोषियों के खिलाफ समुचित कार्रवाई भी। इसके साथ ही निवेशकों में पूर्ण विश्वास जगाया जा सकेगा ताकि बाजार की रफ्तार पर भविष्य में कोई 'बाबा ग्रहण' न लग पाए।(आरएनएस)

पत्रकार को फर्जी मुकदमे में जेल भेजने पर मर्तोलिया ने की पुलिस प्रशासन की कड़ी आलोचना

पिथौरागढ़ (सं)। जिला पंचायत सदस्य तथा उत्तराखंड श्रमजीवी पत्रकार संघ के राज्य संयोजक जगत मर्तोलिया ने पीड़ित परिवार की आवाज को मंच देने वाले पत्रकार किशोर राम को फर्जी मुकदमे में जेल भेजने पर पुलिस प्रशासन की कड़ी आलोचना की। कहा कि पुलिस का हिटलरशाही रवैया देखकर लोकतंत्र के सभी स्तंभ स्तब्ध है।

मर्तोलिया ने कहा कि पुलिस के साइबर सेल ने जो एफआईआर दर्ज की है, वह झूठ का पुलिंदा है। मर्तोलिया ने कहां की दो बेटियों को न्याय देने के लिए एक पिता १८ जनवरी से पुलिस व प्रशासन से गुहार लगा रहा था।उसकी बात को कोई सुनने को तैयार नहीं है। उल्टा पुलिस उस परिवार का उत्पीड़न करने पर तुली हुई है। अपराधियों के द्वारा लगातार परिवार को धमकाया व डराया जा रहा है। इस स्थिति में एक पत्रकार के द्वारा पीड़ित परिवार के पक्ष को अपने मंच से उठाया गया, इससे नाराज पुलिस ने पत्रकार को झूठे एवं फर्जी मुकदमे में फंसा कर जेल भेज दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस मारपीट तथा अराजकता फैलाने वाले अपराधियों को पुलिस थाने से जमानत दे दी है। लेकिन एक पत्रकार को जो समाज के दबे कुचले वर्ग की आवाज को उठा रहा है, उसे फर्जी मुकदमे में जेल भेजने से अपने को गौरवान्वित महसूस कर रही है।

उन्होंने कहा कि पुलिस की इस कार्रवाई का हर मंच से पुरजोर विरोध किया जाएगा। इसके लिए मानवाधिकार आयोग तथा राज्य एवं केंद्र के अनुसूचित जाति आयोग का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिथौरागढ़ जनपद में इस तरह के पुलिस उत्पीड़न की घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग किया कि इस घटना की किसी वरिष्ठ अधिकारी से जांच कराई जाए। पुलिस के जिन अफसरों ने इस तरह की ना समझी भरा कार्य किया है, उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने जिले के पत्रकार संगठनों तथा न्याय पसंद संगठनों से अपील किया कि वे एक मंच पर आकर किस प्रकार के पुलिस उत्पीड़न की घटनाओं का मुंहतोड़ जवाब दें। उन्होंने २४ घंटे के भीतर पुलिस अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी है।

महाशिवरात्रि पर्व पर होगा 1.25 लाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण

देहरादून (सं)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विश्व शांति, देश के चहुमुखी विकास, देवभूमि उत्तराखंड की सुख शांति और समृद्धि की मंगल कामना के साथ २५ वा १.२५ लाख पार्थिव शिवलिंगों के निर्माण, दर्शन और पूजन का विशेष पूजा अनुष्ठान, माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून शनिवार २६ फ़रवरी से बुधवार २ मार्च २०२१ किया जायेगा। यह जानकारी आचार्य बिपिन जोशी ने दी।

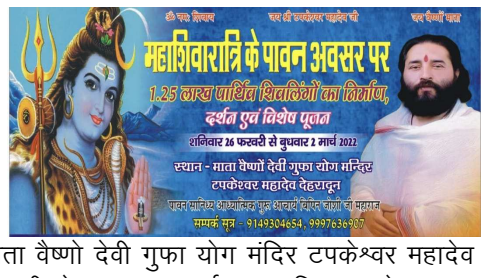

सरकार यूक्रेन में फंसे छात्रों का डाटा...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

जुटाई जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही पूरा डाटा तैयार हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य के हरिद्वार, उत्तरकाशी, चमोली और नैनीताल सहित अनेक जिलों के छात्र-छात्राएं यूक्रेन में पढ़ाई करने गए हुए हैं जो वहीं फंसे हुए हैं। अनेक छात्र-छात्राओं के वीडियो मिल रहे हैं तथा उनके परिजनों द्वारा सरकार से संपर्क किया जा रहा है। रूस के हमले के बाद यूक्रेन से सभी हवाई सेवाएं बंद है तथा अपनी सुरक्षा को लेकर यूक्रेन में फंसे लोग और उनके परिजन परेशान हैं।

शहीद जगेन्द्र सिंह चौहान को सैनिक सम्मान के..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

पार्थिव हरिद्वार ले जाया गया। शहीद के सम्मान में बाजार पूरी तरह बंद रहा। भानियावाला में कई स्कूली बच्चों ने शहीद के सम्मान में देशभक्ति के नारे लगाए। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, गणेश गोदियाल, भाजपा नेता बृज भूषण गैरोला, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संपूर्ण सिंह रावत, गौरव चौधरी, मनोज नोटियाल, नरेन्द्र नेगी, विजेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष विनय कंडवाल, नरेंद्र नेगी हिमांशु राणा ईश्वर रौथान, मनीष यादव, प्रेम पुंडीर , सरोज भंडारी, मोहन सिंह चौहान, सुखदेव चौहान, प्रदीप नेगी, पुरुषोत्तम डोभाल सहित क्षेत्रीय जनता ने नम आंखों से उनको अंतिम बिदाई दी।

सुनार की दुकान में हुई लूट का खुलासा

पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर जेवरात, नगदी व तमंचा बरामद किया

संवाददाता

देहरादून। सात दिन पहले सुनार की दुकान में हुई लूट का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट के जेवरात, नगदी व तमंचा बरामद कर लिया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए डीआईजी/एसएसपी जन्मेजय खण्डूरी ने बताया कि 18फरवरी की रात्रि साढे आठ बजे के आसपास थाना सेलाकुई पर सूचना प्राप्त हुई थी कि सेलाकुई बाजार में एक सर्राफा व्यापारी की दुकान पर अज्ञात बदमाष्ठा तमंचे के बल पर सर्राफा व्यापारी के साथ मारपीट कर ज्वेलरी एवं नकदी लूट कर फरार हो गए हैं सूचना पर तत्काल थाना सेलाकुई एवं नजदीकी थानों का फोर्स घटना स्थल पर पहुंचा और मामले की छानबीन में लग गए।

पुलिस ने मुस्तकीम पुत्र अब्दुल वहीद निवासी वेलकम ज्वेलर्स मेन रोड निकट रहमानी डाक्टर सेलाकुई सर्राफा व्यापारी की लिखित तहरीर मुकदमा दर्ज कर लिया। थाना सेलाकुई, सहसपुर, प्रेमनगर तथा एसओजी ग्रामीण देहरादून के साथ कुल 5 टीमों का गठन कर गठित पुलिस टीमो को अलग-अलग टास्क देकर घटना स्थल तथा घटना स्थल पर आने जाने वाले संवेदनशील मार्गो चौक-चौराहो पर नियुक्त करते हुए रवाना किया गया। जांच के दौरान दो बदमाशो का घटना करने के बाद घटनास्थल से फरार होते हुए सीसीटीवी कैमरो मे दिखाई दिए। जिनके संबंध में गहनता से सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करते हुए डंप डाटा एकत्रित किया गया। और संदिग्ध मोटरसाइकिल व फरार बदमाशों के फोटो स्कैच निकाले गये और तीन बदमाशों द्वारा आपस मे मिल कर उपराक्त लूट की घटना को अंजाम देना पाया गया। जानकारी मिली की 17प फरवरी को तीन व्यक्ति बिजनौर से आये थे और उनके द्वारा बहादरपुर रोड पर एक मकान मे किराये का कमरा लिया था और उनके द्वारा 18 फरवी की रात्रि मे सेलाकुई बाजार मे एक ज्वैलरी की दुकान मे लूट की घटना को अंजाम दिया था वह उनके द्वारा जो लूटी गयी ज्वैलरी धूलकोट जंगल मे छुपाई है उसको लेने के लिए वह धूलकोट जंगल आने वाले हैं। 24 फरवरी सांय गठित की गई संयुक्त टीमों द्वारा घटना में प्रकाश में आए तीनों बदमाश मिथुन उर्फ बादल, जौनी कुमार, एवं रंजीत उर्फ प्रधान को घटना मे प्रयुक्त मोटर साईकल सुपर स्प्लेंडर के घटना मे लूटे गये जेवरात, नगदी, तथा घटना मे प्रयुक्त तमंचा ३१२ बोर मय दो जिन्दा कारतूस के साथ धूलकोट तिराहा सेलाकुई से गिरफ्तार कर घटना का कुशल अनावरण किया गया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कैंट बोर्ड सीईओ से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चंद शर्मा के नेतृत्व में आज कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल द्वारा विधानसभा कैंट बोर्ड के सीईओ से मुलाकात कर बोर्ड क्षेत्र में आमजन को हो रही समस्याओं से संबधित ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन के माध्यम से लाल चंद शर्मा नें कहा कि विधानसभा कैंट के प्रेमनगर में आवारा पशुओं का आतंक एवं भय बना रहता है तथा हादसे की आशंका बनी रहती है तथा जिसके लिए उचित कार्रवाही करनें की आवश्यकता है।

उन्होनें कहा कि प्रेमनगर बाजार में हाउस टैक्स के साथ वाटर टैक्स में मिलनें वाली छूट अचानक समाप्त कर दी गयी है, जिससे जनता को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। तथा मुख्य बाजार में ठेकेदारी प्रथा के चलते ठेलियों की संख्या में इजाफा हो रहा है तथा प्रेमनगर बाजार में मेन ड्रेन की हालत बहुत गंभीर है। बरसात से पहले इनकी पूरी सफाई अति आवश्यक है, बैडमिंटन कॉप्लेक्सों का नियमितिकरण कराया जाए, मंडी, बस स्टैण्ड पर मोबाईल टायलेट की व्यवस्था थी जो कि काफी समय से नदारद है की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। उन्होनें कहा की विधानसभा कैंट

क्षेत्रांतर्गत प्रेमनगर की सड़कों की स्थिति बेहद खराब है जगह-जगह सड़कों में गढ्ढे बनें हुए हैं सड़कों की स्थिति चिंताजनक है जगह-जगह सड़के टूटी पड़ी हैं जिससे दुर्घटना का भय बना रहता है।

साथ ही कैन्ट क्षेत्र मे पानी के कनेक्शन लेनें हेतु रोड़ कटिंग पहले 204 रूपये मीटर होती थी जिसको बोर्ड द्वारा 1005 रूपये मीटर किया गया है, जो कदापि उचित नहीं है। उन्होनें कहा की डाकरा- मिलिट्री आस्पताल मार्ग पर गंदगी का अम्बार काफी समय से लगा हुआ है, जिसके समाधान की नितांत आवश्यकता है। इस दौरान पूर्व विधायक राजकुमार, राजीव पुंज, अनिल क्षेत्री,राहुल ठाकुर, विकास राज थापा, राजेन्द्र धवन, शम्भू थापा, राजेश शर्मा, रविन्द्र सिह, मोहित ग्रोवर, कुनाल कुमार, अनिल बस्नेत सहित कई लोग मौजूद थे।

स्कूटी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने खुले स्थान से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।, प्राप्त जानकारी के अनुसार सरस्वती विहार रायपुर निवासी शिवम तनेजा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से एस्लेहाल स्थित पैथोलोजी में गया था तथा उसने अपनी स्कूटी पैथोलोजी के बाहर खडी की थी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी।

कोरोना से डरे नहीं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

देश में कम हो रहे संक्रमण के मामले, गृह मंत्रालय ने राज्यों को लिखा पत्र

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण में गिरावट और एक्टिव केस की घटती संख्या के बीच देश एक बार फिर अपने पुराने समय में वापस लौट रहा है। इसी कड़ी में गृह मंत्रालय अब अलग–अलग गतिविधियों में छूट देने पर विचार कर रहा है। मंत्रालय ने सभी राज्यों के मुख्य सचिव को पत्र लिखा है और यह हिदायत दी है कि स्कूल, कॉलेज, रेस्टोरेंट, सिनेमा हॉल और जिम समेत कई व्यावसायिक गतिविधियों पर से प्रतिबंध को खतरे के आकलन के साथ हटा लिया जाए। गृह मंत्रालय द्वारा जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि देश में महामारी के बाद हालात सुधर रहे हैं। ऐसे में खतरे का आकलन करके आर्थिक गतिविधियों को खोलने की आवश्यकता है। जिन गतिविधियों को खोलने पर विचार किया जाना चाहिए, उनमें सामाजिक, खेल, मनोरंजन, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, त्योहार संबंधी सभाओं का आयोजन शामिल हैं। इसके अलावा नाइट कर्फ्यू, पब्लिक ट्रांसपोर्ट के संचालन, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सिनेमा हॉल, जिम, स्पा, रेस्टोरेंट और बार को भी खोला जा सकता है। प्रेस रिलीज में कहा गया है कि स्कूल, कॉलेज, कार्यालय और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को खोलने पर भी विचार किया जाए।

एनएसई के पूर्व संचालन अधिकारी आनंद सुब्रमण्यम को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्टॉक मार्केट हेरफेर मामले में कथित अनियमितताओं की चल रही जांच के सिलसिले में सीबीआई ने आज सुबह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज समूह के पूर्व संचालन अधिकारी आनंद सुब्रमण्यम को गिरफ्तार किया। सीबीआई ने इस सप्ताह की शुरुआत में सुब्रमण्यम से एक्सचेंज में उनकी भूमिका के बारे में पूछताछ की थी। आनंद सुब्रमण्यम को चित्रा रामकृष्ण द्वारा एनएसई के समूह संचालन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था, जो कुख्यात टिक बाय टिक बाजार में हेरफेर मामले में जांच के दायरे में हैं। सीबीआई मार्केट एक्सचेंज के कंप्यूटर सर्वर से स्टॉक ब्रोकरों तक सूचना के कथित अनुचित प्रसार की जांच कर रही है। दोनों को एक ही क्षेत्र में स्थापित किया गया था – एक परिदृश्य जिसे सह–स्थान कहा जाता है – दलालों को अपने प्रतिस्पर्धियों पर १०: १ (अनुमानित) गति लाभ प्रदान करता है। साल २०१८ में, केंद्रीय एजेंसी ने ओपीजी सिक्योरिटीज, इसके प्रबंध निदेशक, संजय गुप्ता; अजय शाह, जिन्होंने सॉफ्टवेयर विकसित करने में मदद की थी के खिलाफ टिक बाय टिक मामला दर्ज किया था। इसके साथ ही २०१० से २०१४ तक कथित शेयर बाजार में हेरफेर के लिए एनएसई और नियामक निकाय सेबी के अज्ञात अधिकारी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया था।

कोविड-19 के कम हो रहे मामलों के बीच दिल्ली में हटेगा नाइट कर्फ्यू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार यानि २८ फरवरी से नाइट कर्फ्यू खत्म हो जाएगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि डीडीएमए सभी प्रतिबंधों को वापस ले रहा है क्योंकि स्थिति में सुधार हो रहा है और लोगों को नौकरियों के नुकसान के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एक अप्रैल से स्कूल पूरी तरह से ऑफलाइन काम करेंगे। मास्क नहीं पहनने पर ५०० रुपये का जुर्माना लगेगा। बता दें कि गुरुवार को दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के ५५६ नए मामले सामने आए थे, जबकि इससे छह लोगों की मौत हो गई। राजधानी में इस दौरान संक्रमण दर १.१० फीसदी रहा। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन में इसकी जानकारी दी गई। बुलेटिन में कहा गया कि एक दिन पहले की गई जांच की संख्या ५०,५६१ थी, जबकि एक दिन में ६१८ मरीजों को छुट्टी दे दी गई। इसमें ये भी कहा गया था कि संक्रमितों और मरने वालों की नई संख्या सामने आने के बाद यहां संक्रमितों की संख्या बढ़कर १८,५८,१५४ हो गई जबकि मरने वालों की संख्या २६,११५ पर पहुंच गई है।

भाजपा का ध्रुवीकरण दांव फेल: हरीश

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम हरीश रावत का कहना है कि वर्तमान विधानसभा चुनाव में भाजपा का ध्रुवीकरण का दांव फेल हो गया है। जनता ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट किया है। जनता भाजपा के झूठ और जुमलों से ऊब चुकी है इसलिए उसने बदलाव के लिए कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है।

हरीश रावत का कहना है कि भाजपा का धार्मिक मुद्दों पर जनता को बांटने और ध्रुवीकरण का प्रयास इस बार फेल साबित हुआ है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह के एक इंटरव्यू का हवाला देकर कहा कि भाजपा ने इस चुनाव के शुरुआती दौर में ध्रुवीकरण के मुद्दे पर धार देने का प्रयास किया था, लेकिन उसका यह दांव

❑उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनने का दावा

इस बार नहीं चल सका है। उन्होंने कहा कि देश की जनता महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की गलत नीतियों के कारण आम आदमी का जीवन मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा अब जनता के मुद्दे पर बात करने को तैयार नहीं है यही कारण है कि उनके द्वारा इधर–उधर की तमाम बातें की जा रही है।

हरीश रावत का कहना है कि अब भाजपा का सच देश की जनता जान चुकी है। उन्होंने उत्तराखंड ही नहीं उत्तर प्रदेश और पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया। उन्होंने कहा कि किसानों से लेकर युवा बेरोजगार और व्यापारी से लेकर छोटे दुकानदार तक सब परेशान हैं। यही कारण है कि अब जनता ने भाजपा को बाहर का रास्ता दिखाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में 10 मार्च को कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। कहा कि यूक्रेन में फंसे भारतीय लोगों को वापस लाने का गंभीर प्रयास करने चाहिए उन्होंने कहा कि सरकार को अभी तक यह भी मालूम नहीं है कि यूक्रेन में उत्तराखंड के कितने लोग फंसे हैं यह चिंताजनक है।

आचार संहिता के दौरान हुए अनैतिक कार्यो की होगी जांच: गोदियाल

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश मुख्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि सूत्रों से पता चला है कि प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के बावजूद गुपचुप तरीके से बैक डेट में अनैतिक कार्यों को अंजाम दिया जा रहा हैं।

गोदियाल ने बताया कि खनन के पट्टों इत्यादी की बंदरबॉट प्रदेश में अभी भी धडल्ले से जारी है। गोदियाल ने सख्त रवैया अपनाते हुए कहा कि राज्य में नई सरकार के गठन के बाद इस तरह की बैक डेट में हुई नियुक्तियों, स्थानान्तरण एवं खनन के पट्टों की व्यापक स्तर पर जॉच की जायेगी। गोदियाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि जो राजनेता एवं अधिकारी इन कार्यो में संलिप्त है और ऐसे कार्यो को बढावा एवं संरक्षण दे रहे हैं उन्हें किसी भी कीमत पर बख्सा नही जायेगाा। गोदियाल ने कहा कि यह राज्य एव राज्यवासियों के साथ बड़ा धोखा है।

ट्रेक्टर चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने खुले स्थान से ट्रेक्टर चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरके पुरम दिव्य विहार निवासी सुमन वर्मा ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपना ट्रेक्टर डूंगा हाउस के सामने परेड ग्राउण्ड में खड़ा किया था लेकिन सुबह जब उनका चालक वहां पर पहुंचा तो ट्रेक्टर अपने स्थान से गायब था।

निर्माणधीन भवन में चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने निर्माणधीन भवन से लोहा चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तेग बहादुर रोड निवासी केएस भण्डारी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके स्कूल के भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। चोरों द्वारा रात्रि में वहां से 460 लोहे की प्लाट चोरी कर ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज जांच शुरू कर दी है।

कांवड़ मेले के आयोजन से व्यापारियों में खुशी की लहर

संवाददाता

हरिद्वार। कोरोना के कारण प्रभावित व्यापारियों में कांवड़ मेले की अनुमति दिए जाने से खुशी की लहर है वही कावड़ियों में भी भारी उत्साह देखा जा रहा है।

बीते 2 सालों से कोरोना के कारण तमाम तरह की पाबंदियों की मार झेल रहे लोगों के लिए यह राहत की खबर है कि देश और प्रदेश में अब कोरोना केसों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। जिसके मद्देनजर अब राज्य सरकार ने भी लगभग सभी पाबन्दियों को समाप्त कर दिया है तथा कावड़ मेले की अनुमति भी जिला प्रशासन को दे दी गई है। जिसे लेकर व्यापारियों में खुशी की लहर है।

बीते 2 साल से कांवड़ मेले पर कोरोना के कारण लगे प्रतिबंध से व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। तीसरी लहर के असर कम होने के बाद अब कांवड़ मेले का आयोजन इस बार पूर्वत: आयोजित हो सकेगा। कावड़ियों का हरिद्वार आना शुरू हो चुका है तथा व्यापारियों ने भी अपनी

❑कावड़ियें भी उत्साहित, घाटों पर भीड़
❑प्रशासन ने किए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

कारोबारी तैयारियां पूरी कर ली है।

खास बात यह है कि कांवड़ मेला जो लगातार एक सप्ताह तक चलता है। जिसमें लाखों करोड़ का कारोबार होता है, कावड़ व्यवसाय से जुड़े हजारों परिवारों की रोजी–रोटी कावड़ मेले पर निर्भर होती है, जिला प्रशासन भी इस मेले की तैयारियों में जुटा हुआ है। मेले में लाखों लोग गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार पहुंचते हैं। इस बार 2 मार्च को शिवरात्रि है। जिसमें अधिक समय नहीं बचा है देश के कोने–कोने से आने वाले कांवड़ियों की भीड़ अब हरिद्वार में दिखने लगी है। मेले की सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

लाटरी के नाम पर ठगे एक लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। लाटरी के नाम पर एक लाख ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदर नगर निवासी पदम आगरी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर फोन आया तथा फोनकर्ता ने अपना नाम नवनीत बंसल बताते हुए स्वंय को एयरटेल कम्पनी का अधिकारी बताकर उसको बताया कि उसकी 8 लाख 55 हजार रूपये की लाटरी निकली है तथा उसने लाटरी के नाम पर विभिन्न मदों के नाम से एक लाख 55 हजार रूपये अपने खाते में डलवा दिये लेकिन बाद में उसका फोन बंद हो गया।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।